बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २००८)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग परिचय - २** **कुल गुण : ७५**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण फरवरी, १९९९

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''तुम अखंड ब्रह्मचर्य का पालन कर यहाँ रहो और हमारी सेवा करो ।'' ५८

२. ''दलदल में गड़े हाथी को केवल दूसरा हाथी ही खींचकर निकाल सकता है ।'' ८१

३. ''भगवान ने उसकी रक्षा कर ली ।'' ९

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. घनश्यामदास अपने सभी शिष्यों को मूल अक्षर की पहचान कराते थे । १९

२. श्रीजीमहाराज ने वरताल, गढ़पुर, जूनागढ़, अहमदाबाद, भूज, धोलेरा आदि स्थानों पर मन्दिर बनवाए । २३

३. शास्त्री महाराज ने गढ़पुर में घेला नदी के टीले के ऊपर मन्दिर का निर्माण किया । ३१

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) **(५ गुण)**

१. गोरधनभाई । (९९) २. विष्णुदास । (४५) ३. मूर्तिपूजा । (१३)

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. लक्ष्मीचंद सेठ ने श्रीजीमहाराज के लिए क्या भेंट भेजी ? ३८

२. आकाशवाणी सुनकर शिवराम ने क्या कहा ? २१

३. जो व्यक्ति निंदा करता है, उसे कैसा समझा जाता है ? १

४. राणदेबाई क्या देखकर काँप गई ? ७६

५. अधर्मरुप संकल्पों का नाश कैसे हो जाता है ? ९५

प्रश्न.५. जैसे गाय बछडे के लिए..... (८८) - **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा** **(५ गुण)**
वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ८ (५२) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८ गुण)**

१. ''ते मंत्र जेना ..... समरो सदाये ।'' १५

२. ''आव्युं मारे ..... विना नय आवे रे ।'' ७१

३.''यस्यात्मबुद्धिः ..... स एव गोखरः ॥'' ९७

४. ''अन्यक्षेत्रे कृतं ..... व्रजलेपो भविष्यति ।'' - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ९७

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर १९९८

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''इनके मन में किसी कृति का प्रवेश नहीं होता ।'' ४१

२. ''मुझे तो अपने धाम का दर्शन करवाओ और मुझे सच्चा सत्संगी बनाओ ।'' १०

३. ''उन्हें सोने के सिंहासन पर बैठा कर उनकी आरती-पूजा स्वर्ण दीपक से करें तो भी वह कम है ।'' ५७

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. खानदेश मे भगतजी की महिमा बहुत बढ़ गई । ४५

२. विठ्ठलभाई की पुत्रवधू को हैजा की बिमारी ठीक हो गई । ६५

३. भरुच के गणपतभाई महुवा से रेलमार्ग से वापस लौटना चाहते थे । ५२

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १५ जून, २००८; परीक्षा- सत्संग परिचय - २; माध्यम - हिन्दी; समय - दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

५०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केन्द्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केन्द्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहनेवाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) (५ गुण)

१. अक्षर के ज्ञान का उद्‌घोष । २५

२. सद्‌गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग । ३

३. सत्संग से निष्कासित । ३१

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. भगतजी ने वांसदा के दीवान को क्या वचन दिया ? ४७

२. गुणातीतानंद स्वामी ने अपना अपमान करनेवाले किस संत को माला पहनाई ? ३१

३. गिरधरभाई को क्या सिद्ध करना था ? ६४

४. अन्तिम अन्नकूट में हरिभक्तों को दर्शन देते हुए भगतजी क्या बोले ? ६१

५. संतत्व की कला सीखनेवाला कैसा समर्थ बनता है ? १७

प्रश्न.११. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (६ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगतजी महाराज के प्रसादीभूत गाँव कौन से हैं ?

(१) ☐ सारंगपुर (७) (२) ☐ गढ़डा (६३)

(३) ☐ पीठवड़ी (३) (४) ☐ चाणसद (४७)

२. आचार्य महाराज ने भगतजी को पूछा, कोई भगवान का आनन्द कैसे अनुभव कर सकता है, तब उन्होंने उत्तर दिया कि, ५३

(१) ☐ भगवान के सुख में आसक्त हो, उसके नेत्रों में सुख की वर्षा होती है ।

(२) ☐ पांच इन्द्रियाँ और दस अंत:करण जम जाते हैं ।

(३) ☐ जिसने भगवान के सुख का अनुभव कर लिया वह भगवान की मूर्ति छोडकर इधरउधर नहीं भटकता ।

(४) ☐ ब्रह्मानंद स्वामी ने कहा कि जो गुरुमुखी हो गया वही उस सुख का अनुभव करता है ।

३. भगतजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी की महिमा किन किन को कही ? २६-२७

(१) ☐ त्रिकमदास । (२) ☐ शुकानंद स्वामी ।

(३) ☐ वाघा खाचर । (४) ☐ यज्ञपुरुषदासजी ।

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (६ गुण)

१. वरताल में चैत्र नवमी (हरिजयन्ति) के अवसर पर गुणातीतानंद स्वामी का अपमान हुआ । ३०

२. भगतजी ने पत्थर पर से मरी हुई बिल्ली हटा दी । १६

३. रावसाहब की धर्मपत्नी सीताबा को वड़ोदरा में लगातार पाँच दिन तक समाधि में श्रीजीमहाराज के साथ भगतजी के दर्शन हुए । ५१

४. गुणातीतानंद स्वामी ने वरताल में नौ महीने तक स्वरुपनिष्ठा की बातें कही । ७

५. यज्ञपुरुषदासजी को विचार आया कि जहाँ भगतजी का अपमान हुआ था, वहीं उनका भव्य स्वागत होना चाहिए । ५५

६. स्वामी ने प्रागजी भक्त को सत्संग में पुरुषोत्तम के स्वरुप की बात करने की आज्ञा दी । २२

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १३ जुलाई, २००८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे ।

❋ ❋ ❋